Technical Folder 2016/14

चाय बागान का मशीनीकरण
TEA FARM MECHANIZATION

कागंड़ा चाय अपनी विशेष खुशबू के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है लेकिन आजकल चाय उत्पादक इसकी खेती उदासीन भाव से कर रहे हैं या इसका परित्याग करने को विवश हैं जिसका मुख्य कारण बागान प्रबन्धन में निरन्तर मूल्य वृद्धि, अधिक मेहनत, कम लाभ एवं कुशल कामगारों की अनुपलब्धता हैं। चाय बागान कम लाभ – निम्न गुणवत्ता – अकुशल बागान प्रबन्धन – निम्न गुणवत्तायुक्त चाय – श्रमिकों की कमी व उच्च मजदूरी के कुचक्र में फंस कर रह गए हैं। अब इस कुचक्र से बाहर निकलने का एकमात्र विकल्प बागानों का मशीनीकरण ही दिखता है। मशीनीकरण के प्रमुख लाभों में कम लागत, समय की बचत, एक समान तुड़ाई व बागानों की प्राकृतिक सुन्दरता में वृद्धि हैं। मशीनीकरण का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों पर निर्भरता घटाना, खेती में लागत कम करना, उच्च कृषि तकनीक का उपयोग कर चाय के गुणवत्ता में सुधार करने के साथ–साथ मशीनों के रख–रखाव पर ध्यान रखना है।

Kangra tea is known for its unique flavour worldwide. Rising cost of manual tea plucking and other farm operations, non availability of the skilled farm workers and squeezing profit in tea plantations are the major factors compelling tea growers to grow tea half heartedly or abandon it. Consequently, tea plantations in this region have been trapped in the vicious cycle of low profit – poor quality tea – inefficient farm management – labour shortage and high wage. Mechanization of the tea farm operations seems to be the only option to break this cycle, improve profitability and revitalize interest of the growers in tea. Main advantages of mechanization are high efficiency, low cost, time saving, and uniform plucking table. Therefore, aim of tea farm mechanization is to sharply cut down the requirement of the farm workers as well as the cost of cultivation while making up the quality depression through improved agro technology package, without losing sight on the issue of machine maintenance.

सी.एस.आई.आर.-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
CSIR-INSTITUTE OF HIMALAYAN BIORESOURCE TECHNOLOGY
पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) PALAMPUR (Himachal Pradesh)